



VISIONIAS

INSPIRING INNOVATION

ABHYAAS MAINS

सामान्य अध्ययन (प्रश्न पत्र-IV)/GENERAL STUDIES (Paper-IV) (2931)

निर्धारित समय: तीन घंटे
Time Allowed: **Three Hours**

अधिकतम अंक: 250
Maximum Marks: 250

सामान्य अनुदेश

इस प्रश्न-सह-उत्तर (क्यू.सी.ए.) पुस्तिका में 62+2 पृष्ठ हैं। प्रश्न-पत्र, क्यू.सी.ए. पुस्तिका के अंत में संलग्न है, जो अलग (वियोज्य) किया जा सकता है और उम्मीदवार परीक्षा के उपरांत अपने साथ ले जा सकते हैं।

रफ कार्य के लिए, इस पुस्तिका के अंत में खाली पृष्ठ दिया गया है।

पुस्तिका प्राप्त होने पर, कृपया यह जांच कर लें कि इस क्यू.सी.ए. पुस्तिका में कोई कमी न हो, फटा हुआ पृष्ठ न हो अथवा कोई पृष्ठ गायब न हो इत्यादि। यदि ऐसा हो, तो इसके बदले नई क्यू.सी.ए. पुस्तिका प्राप्त कर लें।

General Instructions

This Question-Cum-Answer (QCA) Booklet contains 62+2 pages. Question Paper in detachable form is available at the end of the QCA Booklet which can be taken away by the candidate after examination.

For rough work, blank page has been provided at the end of this Booklet.

On receipt of the Booklet, please check that this QCA Booklet does not have any shortcomings, torn or missing pages etc. If so, get it replaced with a fresh QCA Booklet.

(उम्मीदवार द्वारा भरा जाएगा/To be filled by the Candidate)

पंजीकरण सं./Registration No. : 01158344

अभ्यर्थी का नाम/Name of Student : Mudita Agarwal

माध्यम: हिंदी/अंग्रेजी
Medium: Hindi/English

English

तारीख
Date

25/08/2024.

सामान्य अध्ययन (प्रश्न पत्र-IV) GENERAL STUDIES (Paper IV)

केंद्र
Centre

Lucknow.

निरीक्षक के हस्ताक्षर
Invigilator's Signature

	महत्वपूर्ण अनुदेश	Important Instructions
	उम्मीदवारों को नीचे उल्लिखित निर्देश सावधानी से पढ़ लेने चाहिए। किसी भी निर्देश का उल्लंघन करने पर उम्मीदवारों को मिलने वाले अंकों में कटौती, उम्मीदवारी रद्द या आयोग के परवर्ती परीक्षाओं के लिए वर्जित करने इत्यादि के रूप में दण्डित किया जा सकता है।	Candidates should read the undermentioned instructions carefully. Violation of any of the following instructions may entail penalty in the form of deduction of marks, cancellation of candidature, debarment from further Examination of the Commission etc.
1	(क) अपना पंजीकरण सं. एवं अन्य विवरण केवल प्रश्न-सह-उत्तर पुस्तिका (क्यू.सी.ए.) में उम्मीदवार के लिए निर्धारित स्थान पर ही लिखें। (ख) इस पुस्तिका में अन्यत्र कहीं भी अपना नाम, पंजीकरण सं., मोबाइल नं., पता अथवा प्रश्न-सह-उत्तर पुस्तिका (क्यू.सी.ए.) संख्या न लिखें जिससे आपकी पहचान का खुलासा हो।	(a) Write your Registration Number and other details only in the space provided in the Question-Cum-Answer (QCA) Booklet for candidates. (b) Do not disclose your identity in any manner such as, by writing your Name, Registration number, Mobile number, Address, Question-Cum-Answer (QCA) Booklet No. etc. elsewhere in the Booklet
2	अपनी प्रश्न-सह-उत्तर पुस्तिका में कहीं भी प्रश्नों के वास्तविक उत्तर के अतिरिक्त कुछ न लिखें जैसे कि कोई कविता/दोहा, अभद्र या अपमानजनक अभिव्यक्ति इत्यादि और न ही कोई ऐसा चिन्ह/निशान बनाएं जिसका उत्तर से सम्बन्ध न हो।	Do not write in the QCA Booklet anything other than the actual answer such as couplet, obscene, abusive expression etc., nor put any sign/mark having no relevance to the answer.
3	परीक्षक को प्रत्यक्ष/अप्रत्यक्ष रूप से कोई भी प्रार्थना/धमकी भरी बातें न लिखें।	Do not make any direct/indirect appeal/threat to the examiner.
4	उत्तर अस्पष्ट अथवा गंदी लिखावट में न लिखें। इस प्रकार के उत्तर का मूल्यांकन नहीं भी किया जा सकता है।	Do not write answers in bad/illegible handwriting. Such answers may not be evaluated.
5	उत्तर स्याही में ही लिखें। उत्तर लिखने के लिए पेंसिल का उपयोग न करें, हालांकि आरेख, चित्र इत्यादि बनाने के लिए पेंसिल का उपयोग किया जा सकता है।	Write answers in ink only. Do not use pencil for writing the answers. However, pencil may be used for drawing diagrams, sketches, etc.
6	प्रवेश पत्र में उल्लेख किए गए माध्यम के अलावा अन्य किसी माध्यम में उत्तर न लिखें। अधिकृत और अनधिकृत की मिली जुली भाषा का भी उपयोग न करें।	Do not write answers in medium other than the authorized medium in the Admission Certificate. Do not use mixed language either i.e. authorize and unauthorized media together for writing answers.
7	प्रश्नों के उत्तर ठीक उसके नीचे दिए गए निर्धारित स्थान पर ही लिखें। निर्धारित स्थान के अलावा किसी अन्य स्थान पर लिखे गए उत्तर का मूल्यांकन नहीं किया जाएगा।	Write answer at the specific space (right below the question) only. Answers written elsewhere at unspecified places in the booklet shall not be evaluated.
8	यदि आप अपने किसी उत्तर को रद्द करना चाहते हैं तो उसे पेन से काट दें तथा उस पर "रद्द" लिख दें, अन्यथा उसका मूल्यांकन किया जा सकता है।	If you wish to cancel any work, draw your pen through it and write "Cancelled" across it, otherwise it may be valued.

कार्यालय के प्रयोग हेतु For Official Use	कार्यालय के प्रयोग हेतु For Official Use
परीक्षक के हस्ताक्षर Signature of Examiner(s)	

प्राप्तांक के विवरण (परीक्षक द्वारा भरा जाए)/ Marks Details (To be filled by the Examiner(s))

प्रश्न सं. Q. No.	अंक Marks		प्रश्न सं. Q. No.	अंक Marks	
1(a)			6 (a)		
1(b)			6 (b)		
2(a)			7		
2(b)			8		
3(a)			9		
3(b)			10		
3(c)			11		
4(a)			12		
4(b)					
5(a)					
5(b)					
उप-योग (A) Subtotal (A)			उप-योग (B) Subtotal (B)		
सकल योग (A+B) / GRAND TOTAL (A+B)					



सामान्य अध्ययन (प्रश्न पत्र-IV)/GENERAL STUDIES (Paper-IV) (2931)

निर्धारित समय: तीन घंटे

Time Allowed: **Three Hours**

अधिकतम अंक: 250

Maximum Marks: **250**

प्रश्न-पत्र संबंधी विशेष अनुदेश

कृपया प्रश्नों के उत्तर देने से पूर्व निम्नलिखित प्रत्येक अनुदेश को ध्यानपूर्वक पढ़ें:

इसमें बारह प्रश्न हैं जो दो खण्डों में विभाजित हैं तथा हिंदी और अंग्रेजी दोनों में छपे हुए हैं।

सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

प्रत्येक प्रश्न/भाग के अंक उसके सामने दिए गए हैं।

प्रश्नों के उत्तर उसी प्राधिकृत माध्यम में लिखे जाने चाहिए जिसका उल्लेख आपके प्रवेश-पत्र में किया गया है, और इस माध्यम का स्पष्ट उल्लेख प्रश्न-सह-उत्तर (क्यू.सी.ए.) पुस्तिका के मुख-पृष्ठ पर निर्दिष्ट स्थान पर किया जाना चाहिए। प्राधिकृत माध्यम के अतिरिक्त अन्य किसी माध्यम में लिखे गए उत्तर पर कोई अंक नहीं मिलेंगे।

प्रश्नों में इंगित शब्द सीमा को ध्यान में रखिए।

प्रश्न-सह-उत्तर पुस्तिका में खाली छोड़ा हुआ पृष्ठ या उसके अंश को स्पष्ट रूप से काटा जाना चाहिए।

QUESTION PAPER SPECIFIC INSTRUCTIONS

Please read each of the following instructions carefully before attempting questions:

There are **TWELVE** questions divided in **TWO SECTIONS** and printed both, in **HINDI** and in **ENGLISH**.

All questions are compulsory.

The number of marks carried by a question/part is indicated against it.

Answers must be written in the medium authorized in the Admission Certificate which must be stated clearly on the cover of this Question-cum-Answer (QCA) Booklet in the space provided. No marks will be given for answers written in a medium other than the authorized one.

Keep the word limit indicated in the questions in mind.

Any page or portion of the page left blank in the Questions-cum-Answer Booklet must be clearly struck off.

EVALUATION INDICATORS

1. Contextual Competence
2. Content Competence
3. Language Competence
4. Introduction Competence
5. Structure - Presentation Competence
6. Conclusion Competence

Overall Macro Comments / feedback / suggestions on Answer Booklet:

1.

2.

3.

4.

5.

6.

All the Best

1. (a)

साध्य साधनों को उचित नहीं ठहरा सकता है, इसका सरल और स्पष्ट कारण यह है कि प्रयुक्त साधन ही प्राप्त होने वाले साध्यों की प्रकृति निर्धारित करते हैं। उपयुक्त उदाहरणों के साथ विवेचना कीजिए। (150 शब्दों में उत्तर दीजिए)

The end cannot justify the means, for the simple and obvious reason that the means employed determine the nature of the ends produced. Discuss with suitable examples. (Answer in 150 words)

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

10

Gandhi had talked about the need for purity of means and ends.

Means employed determine the nature of the ends

- ① Corruption in public life - to attain wealth is a sin - Wealth without work
- ② Use of conditional aids by developed world while leads to economic growth also adversely impacts social justice Eg Pakistan - IMF's SAPs
- ③ Use of false truth while ameliorates situation at times but may disturb trust in long run
Eg white lies in relationships
- ④ In emergency, population control through sterilisation was a forced process - led to animosity.

- ⑤ Profit without principles is a short term view. (Eg) Satyam scandal.
- ⑥ Racing problem in technology has led to unethical use of AI (Eg) Deepfakes - Radhika Madhane to destroy reputation

Similarly, good means ensure good ends

- ① India's approach to global south (Eg) Verse of Global South → ethical leadership.
- ② Gandhi's non-violence which ensured a peaceful transfer of power.
- ③ social capital of corporates who emphasize good means. (Eg) Tata Trust.

However, proponents of ends like Machiavelli emphasize consequentialism (Eg) Rower hold - China's debt trap

Hence, there is a need to balance the two for rule utilitarianism and maximize both ends and means morality.

1. (b)

चर्चा कीजिए कि कानून एवं नैतिकता के बीच का संबंध किस प्रकार गतिशील होता है और सामाजिक परिवर्तनों द्वारा निरंतर आकार ग्रहण करता है। इस गतिशील संबंध को स्पष्ट करने के लिए उदाहरण प्रस्तुत कीजिए। (उत्तर 150 शब्दों में दीजिए)

Discuss how the relationship between law and ethics is dynamic and continuously shaped by societal changes. Provide examples to illustrate this dynamic relationship. (Answer in 150 words)

10

'Law is codified ethics' This signifies the dynamic relationship between the two.

↳ law as arbitrator of ethics (Eg) Triple

Salag abolition

↳ legitimacy to desirable ethics

(Eg) Hindu Marriage Act - right to divorce

↳ for large public interest over individual -

ethical abolition (Eg) restrictions on fundamental rights

↳ ethics determine law at times.

(Eg) India - legalisation of child marriage

↳ law can also determine ethics (Eg) abolition of Sati in colonial period

उम्मीदवारों को इस हार्शिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

This relationship is shaped by societal changes

उम्मीदवारों को
इस हार्शिए में
नहीं लिखना
चाहिए
Candidates
must not
write on
this margin

- ① Time (Eg) Japan's aggression in World War II
replaced by pacifism now
- ② Collective conscience of society determines
primacy of ethics (Eg) Outrage of Kolkata rape →
demand for new law
- ③ Social influences who are far-sighted
(Eg) emphasis on girls' education - Vidyotsarg
- ④ Impact of climate change on law and
ethics. (Eg) ban on plastics → environmental awareness
- ⑤ Gender equality is a recent phenomenon
(Eg) Nani Shakti Vandan Polunyanis to
realise political equality -

Hence, "law cannot change the core of the nation but ethics of men can do." "Nanakanda
holds true. Both are needed for bringing
lasting changes.

2. (a)

उपयुक्त उदाहरणों के साथ शुचिता (प्रोबिटी) और सत्यनिष्ठा के बीच अंतर स्पष्ट कीजिए। ये मूल्य सिविल सेवाओं में नैतिक अभिशासन और निर्णय-निर्माण में किस प्रकार योगदान देते हैं? (उत्तर 150 शब्दों में दीजिए)

Differentiate between probity and integrity with suitable examples. How do these values contribute to ethical governance and decision-making in the civil services? (Answer in 150 words)

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

10

Probity is the principle of having strong moral knowledge and integrity. Integrity is the application of similar standards across similar situation across space and time.

<u>Probity</u>	<u>Integrity</u>
① Is a <u>maximalist approach</u> - includes <u>transparency</u> , <u>accountability</u>	Is a <u>minimalist approach</u> - includes <u>honesty</u> .
② Applied in <u>public life</u> and <u>relations</u>	Applied in <u>personal</u> and <u>professional life</u>
③ <u>enforcement through internal mechanisms</u>	<u>enforcement through internal mechanisms</u>
④ <u>penalties</u> , <u>jail term</u>	④ <u>guilt</u> .
④ Source includes <u>rules</u> and <u>code of conduct</u>	Source includes <u>personal consciousness</u>

- ⑤ Remains same across organisations and time } can change based on organisational ethics.

उम्मीदवारों को इस हार्शिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

These values contribute to ethical governance.

- ① To make objective decisions in civil services
 (Eg) Kuma Sundarajan - pilot project for choosing vendor
- ② Develop 'empathy' for outcasts (Eg) Dr. Alley
John Hughes - SHGs for brick kiln workers.
- ③ Introduce tolerance for diversity (Eg) IPS
Chetan Singh Rathore - using national anthem to disperse crowd
- ④ Personal accountability in situations of legal vacuum (Eg) K. Subrahmanyam returning Padma award
- ⑤ Impartiality in political interference
 (Eg) Ashok Khemka

Hence, probity and integrity have the capacity to create a responsive and ethical civil service

2. (b)

लोक प्रशासन में सूचना को गुप्त बनाए रखने के नैतिक निहितार्थों पर चर्चा कीजिए। पारदर्शिता किस प्रकार सरकारी संस्थाओं में जवाबदेही को बढ़ा सकती है और भ्रष्टाचार को कम कर सकती है? (उत्तर 150 शब्दों में दीजिए)

Discuss the ethical implications of withholding information in public administration. How can transparency enhance accountability and reduce corruption in government institutions? (Answer in 150 words)

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

10

Right to Information Act 2005 mandated transparency in public administration.

However, withholding of information has had implication -

- ① Credibility crisis in administration (eg) Denial of information on MP's cheat project
- ② Accountability becomes vague and difficult to enforce.
- ③ Public participation in governance is hindered. (eg) Citizen Charter - outdated
- ④ Social contract violation with denial of right under Article 19 (i)
- ⑤ Violation of law Sec 19 - incomplete information is also an offence under RTI Act.

Transparency can enhance accountability and reduce corruption in government -

उम्मीदवारों को इस दृष्टि में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

- ① Reduce discretion of officers. (Eg) Lolapur administration
- ② fixed fines
Culture of obligation is introduced (Eg) elder
in - Machhe access to service.
- ③ Open governance with citizen power in administration. (Eg) social audit of MGNREGA
- ④ Introduce trust in administration
- ⑤ Digitalisation introduces visibility which ensures chain of command. (Eg) Parivish portal
- ⑥ Fairness in distribution of resources for fear of prosecution (Eg) DBT in ration-

sense, transparency and information are potent tools to enforce democratic political and executive accountability

3.

निम्नलिखित में से प्रत्येक उद्धरण का आपके विचार से क्या अभिप्राय है?

What do each of the following quotations mean to you?

(a)

"एक सभ्य घर के बराबर कोई स्कूल नहीं है और सद्गुणी माता-पिता के बराबर कोई शिक्षक नहीं है।"- महात्मा गांधी (उत्तर 150 शब्दों में दीजिए)

"There is no school equal to a decent home and no teacher equal to a virtuous parent."- Mahatma Gandhi (Answer in 150 words)

10

School is the first exposure of a child to the outside world and a home away from home.
The teacher acts as a parent in this second home.

Role of school as a home

- ① Environment at school. (Eg) Hellen Keller
learned etiquette in a positive environment
- ② Activities of school. (Eg) Visit to old age homes
respect for elders
- ③ Promote environmentalism. (Eg) Tanzania green schools

However, home is home

- ① A person learns compassion and selflessness
- ② Respect for tolerance with different persons
- ③ Value inculcation (Eg) R. Madhavan's son
as Olympic swimmer

Role of teacher as a parent

① mould the personality of the child

(Eg) Satyagrah - girl equality

② As agents of change (Eg) Jyoti Keshava Joshi for Gandhi.

However, he cannot replace a virtuous parent

① Gandhi learned satyagrah from his mother

② Shwaji learned the value of swarajya from Jyoti Bai.

③ role model effect is stronger (Eg) Jackie Chan Ravi Bishnoi's daughters - army

④ Value of giving (Eg) Valmiki Prasad's daughter donated liver to him

Hence, both school-teachers and home-parent paradigms come together to shape the 'future of India'.

3. (b)

"हर कोई दुनिया को बदलने के बारे में सोचता है, लेकिन कोई भी खुद को बदलने के बारे में नहीं सोचता।" - लियो टॉल्स्टॉय (उत्तर 150 शब्दों में दीजिए)

"Everyone thinks of changing the world, but no one thinks of changing himself." - Leo Tolstoy (Answer in 150 words)

10

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

As a person, we are motivated to be mavericks and bring change in world. (Eg) Elon Musk - Tesla
But rarely do we think of internal change.

(Eg) Swami Vivekananda

Everyone thinks of changing the world

① Social influencers advocating change.

(Eg) Ambedkar against untouchability

② Corporates want greater freedom and liberalisation - bansej fare (Eg) Moratorium on tax on e-commerce

③ Governments want to change world in national interest (Eg) USA - stopping appellate body of WTO

④ Reformers and orthodox people locked horns over change in religion (Eg) Ban on Sati

No one thinks of changing himself

- ① Collusive corruption on account of cooperation between benefactor and beneficiary
- ② Cynical attitude towards politics but does not take part in elections. Eg $\frac{800 \text{ mm}}{900 \text{ mm}}$ voted
- ③ Rigidity of views leading to intolerance.
Eg Caste - untouchability.
- ④ Accommodation of view is difficult without respect for diversity. Eg theological states like Pakistan
- ⑤ Technological companies asking for ~~so~~ freedom and prevention of innovation gatekeeping but refusing famines. Eg Google Bard controversy

However, some people take this plunge
Eg Stockdale as a prisoner of war in Vietnam -
Because "when we are unable to change
our surroundings we are challenged to
change ourselves."

उम्मीदवारों को
इस हार्जिए में
नहीं लिखना
चाहिए
Candidates
must not
write on
this margin

3. (c)

"जो सही है उसे देखकर भी उसे न करना कायरता है।" - कन्फ्यूशियस (उत्तर 150 शब्दों में दीजिए)

"To see what is right and not do it is a lack of courage." - Confucius (Answer in 150 words) 10

उम्मीदवारों को
इस हाशिए में
नहीं लिखना
चाहिए
Candidates
must not
write on
this margin

Moral courage is the need to avoid ethical bankruptcy in life. It requires effort on part of doer but leads to benefit for all.

to see what is right and not do it.

- ① Peer pressure leading to corruption in public life.
- ② Moral reluctance to follow right path.
Eg police who shot a family in tears.
- ③ Moral Myopia with focus on immediate impact. Eg USA in Israel Gaza war.
- ④ Unethical silence in times of crisis can lead to hell. - Dante Eg world on slaying massacre.
- ⑤ Corporate inaction on environmental values
Eg steel sector - 12% of country's emissions

⑥ Selfishness also plays a role in inaction-
'greed for power' (Eg) Chandigarh poll officer
damaging ballots

⑦ Secular silence and apathy on social
issues (Eg) child labour - 10 min in India

However, at times inaction might not be because
of lack of courage. -

① Rigid hierarchy which enforces power relations
(Eg) Dalits in pre-British India.

② Rules become end in themselves (Eg) National Commission
on SCs - silent on reports

③ Threat to life or family can
deter action. (Eg) Release of prisoners in 1984
hijacking

Hence, while courage is needed to do
right (Eg) whistleblowing, it will come
from inner moral strength through habit.

4. (a)

किसी व्यक्ति में सकारात्मक अभिवृत्ति उत्पन्न करने वाले कारक कौन-से हैं? सकारात्मक अभिवृत्ति सिविल सेवकों को अपने कर्तव्यों के निर्वहन में उनकी कार्यक्षमता को कैसे बढ़ाती है? (उत्तर 150 शब्दों में दीजिए)
What factors lead to a positive attitude in a person? How does positive attitude enhance the effectiveness of civil servants in performing their duties? (Answer in 150 words)

10

उम्मीदवारों को
इस हशिप में
नहीं लिखना
चाहिए
Candidates
must not
write on
this margin

Positive attitude refers to expression of favour
towards socially desirable things, values in life.

Factors that lead to positive attitude

- ① Situational influence with positive people
around oneself. Eg Annoyance -
- ② Informational influence Eg Alse vera -
after endorsement by India.
- ③ Normative influence with ethical laws.
Eg Forest Rights Act 2006 - Rights of tribal.
- ④ Role Model effect in life Eg Deepika Padukone's
tackling of depression
- ⑤ Liking for a particular product or issue
Eg South Korea - sunny brands
- ⑥ Reciprocity can help foster attitude of trust
Eg India Russia relations

It can enhance effectiveness of civil servants

- ① Selfless attitude to work in hostile conditions. Eg Arundel officers tackling shams to save tribal family - Wagmanad
- ② Integral attitude in case of legal vacuum. Eg 1 grade collector sending his daughter to government school.
- ③ Attitude of commitment to public service. Eg Shashankle Ala To Malnutrition tackle - nutri garden
- ④ Empathetic attitude for welfare - Eg Cafe Able by IAS Sandeep Nandini -
- ⑤ Innovative attitude to overcome crisis or unforeseen situation. Eg Shubhoar COVID Model.
- ⑥ Non-partisan attitude in civil service

Hence, attitude determines our actions. In civil service, positive attitude can lead to positive actions.

4. (b)

चर्चा कीजिए कि भावनात्मक बुद्धिमत्ता सीमित सार्वजनिक संसाधनों के आवंटन से संबंधित नैतिक निर्णयन को किस प्रकार प्रभावित कर सकती है। (उत्तर 150 शब्दों में दीजिए)

Discuss how emotional intelligence can influence ethical decision-making in the allocation of scarce public resources. (Answer in 150 words)

10

उम्मीदवारों को
इस हार्शिए में
नहीं लिखना
चाहिए
Candidates
must not
write on
this margin

~~As the Israel Gaza conflict rages on, UNRWA~~
~~and World Kitchen are engaged in~~

emotional intelligence refers to the ability to
identify, understand and manage emotion
of oneself and others.

It can influence ethical decision making
in allocation of resources

- ① By providing a veil of ignorance to
avoid conflict of interest.
- ② Self-awareness to prevent emotional
decisions
- ③ For achieving objectivity and fairness
in decisions. (eg) Jan sunwai portal.
- ④ Self-regulation to control and segregate
personal and professional interests.

⑤ Motivation to affect equitable distribution

⑥ DBT for nation

⑦ Social skills to affect conflict management over resources. ⑧ COVID-surgery cylinders

⑨ Empathy for understanding the pain of 'have nots'. ⑩ Chos to Aaman initiative civil service coaching for poor.

Hence, this can help in affecting Article 39G of the Constitution and achieve Dalsamagrahi or a welfare state.

5. (a)

विभिन्न अंतर्राष्ट्रीय मानवतावादी संगठन विश्व भर के संघर्षग्रस्त क्षेत्रों में आपातकालीन सहायता प्रदान करते हैं। ऐसे संगठनों द्वारा सामना की जाने वाली नैतिक चुनौतियों पर प्रकाश डालिए। अंतर्राष्ट्रीय मानवतावादी कार्यों के मार्गदर्शक सिद्धांत कौन-से हैं? (उत्तर 150 शब्दों में दीजिए)

Various international humanitarian organizations provide emergency aid in conflict zones around the world. Highlight the ethical challenges faced by such organizations. What are the principles that guide international humanitarian work? (Answer in 150 words)

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

10

The UNRWA and World Kitchens are engaged in aid in Gaza as the war rages on.

Ethical challenges faced by such organizations

- ① Depth of operations as the precarious situation poses security risk for its personnel.
Eg UN force slows up in Gaza.
- ② Criticism from world for not doing enough - need perseverance.
- ③ Funding challenges with conditional aid and voluntary financing.
- ④ Neocolonialism results in their agendas being set by developed world.
- ⑤ Might become means of conflict Eg allegations against UNRWA of Oct 7 Attacks.

- ⑥ to lack capacity for effective change on ground. (Eg) USA - world kitchen for yet not made

Principles to guide international organisation

- ① Empathy for those in conflict zones
- ② Sensitivity to needs of vulnerable section
(Eg) women, children
- ③ Tolerance for criticism to work effectively
- ④ Moral courage to risk life in aid operations
- ⑤ Impartiality in aid. (Eg) Ukraine vs South Sudan
- ⑥ Selflessness and ethical altruism, as they work for humanity.

Hence, these principles can make international aid autonomous and efficient for reaching the last mile.

5. (b)

अनुनय को सिविल सेवकों के लिए एक महत्वपूर्ण कौशल क्यों माना जाता है? गवर्नेंस में अनुनय को मार्गदर्शित करने वाले मुख्य विचार क्या हैं? (उत्तर 150 शब्दों में दीजिए)

Why is persuasion regarded as an important skill for civil servants? What are the key considerations that should guide persuasion in governance? (Answer in 150 words)

10

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

Persuasion is the process of changing someone's attitude, behaviour, values through some kind of communication.

It is regarded as an important skill for civil servants.

- ① Affect behavioural change for policy implementation
- ② Swachh Bharat - eradicate open defecation.
- ③ Work with diverse stakeholders - need game theory for zone of agreement-
- ④ For cooperation with private sector. CSR initiatives
- ⑤ Political accountability of civil servants requires persuading local politicians
- ⑥ To mobilise resources for local welfare
- ⑦ Prashant Nair - social media for beach cleaning

Key considerations that should guide persuasion

- ① Avoid paternalistic attitude to prevent backlash. (Eg) Atta satta marriage in Karnataka.
- ② Give autonomy to the people by empowering them with information.
- ③ Do not use people as 'means only'.
(Eg) Paid army in Russia - Wagner group.
- ④ Methods used should be democratic - bottom up approach. (Eg) decentral power of local leaders.
- ⑤ Patience to let the change be internalised.
- ⑥ Prudence to ~~avoid~~ balance emotion and facts.
(Eg) Praneshwaran Iyer - 6th Swachhagrahis.

This can help in changing the development and growth paradigm of nation which rests on 'civil services'.

6. (a)

विशेष रूप से लोक सेवा में, भ्रष्टाचार पर अंकुश लगाने में नैतिक नेतृत्व क्या भूमिका निभा सकता है? (उत्तर 150 शब्दों में दीजिए)

What role can ethical leadership play in curbing corruption, especially in public service? (Answer in 150 words)

10

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

Ethical leadership is one 'which knows the way, goes the way and shows the way' for others.

It can play a role in curbing corruption

① Public Service

- ↳ Observational effect with junior learning from seniors ③ Prakash Singh
- ↳ 2nd ARC - Role in performance evaluation of leaders - corruption control in organisations
- ↳ Effective chain of command to induce responsibility for actions
- ↳ Right to review decisions - Committee-based decision making.
- ↳ By holding those responsible to account - Dillaid is for heavy.

② Personal life : Role of influencers in following ethical life (Eg) Sri Sri Ranshankar

③ Corporate : By making Code of ethics to followed. (Eg) signing pledges

④ Armed forces : for unity of command and national security.

⑤ Public sector enterprises with sensitisation of new entrants. (Eg) Bealites engineer -
honey trapped

Hence, ethical leadership has the potential to curb the hydra-headed problem of corruption through rules and people.

6. (b)

स्वामी दयानंद सरस्वती की प्रमुख शिक्षाएं क्या थीं? वर्तमान समय में, भारत में विद्यमान नैतिक एवं सामाजिक चुनौतियों से निपटने के लिए उनकी प्रासंगिकता की व्याख्या कीजिए। (उत्तर 150 शब्दों में दीजिए)

What were the major teachings of Swami Dayanand Saraswati? Explain their relevance in addressing the current ethical and social challenges in India. (Answer in 150 words)

10

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

Swami Dayanand Saraswati was a social-religious reformer of the 19th-20th century and a strong votary of independence.

His major teachings are.

- ① Environmentalism with focus on prakriti-punish balance.
- ② Dharma in life respective of situation
- ③ Social well-being over individual well-being - altruism
- ④ Castless society with Aryan religion free from orthodoxy and superstitions
- ⑤ Stressed the need to break free from British hold - freedom and liberty.

Deliverance in addressing ethical and social challenges in India -

उम्मीदवारों को इस हिसाब में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

- ① Casteism in current society (Eg) 98% - caste identity - Puro
- ② Climate Change mitigation with focus on afforestation (Eg) Green India Mission
- ③ Decline of moral agency needs infusion of dharma (Eg) Rise in crimes against women - 66% (NCWB)
- ④ Check on individualism to prevent ethical egoism.
- ⑤ Neocolonialism and Westernisation enforcing homogenisation - need to decolonise.

Hence, Dayanand Saraswati's teachings continue to guide India in its 'Amrit Kaal'

मरियम एक प्रतिभाशाली और दृढ़ निश्चयी इंजीनियर है। हाल ही में, उसे XYZ Corp में काम पर रखा गया था, जो कि मुख्य रूप से पुरुष कर्मचारियों वाली एक प्रसिद्ध विनिर्माण कंपनी है। यह नौकरी मरियम के लिए एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है, क्योंकि इसमें उसे अच्छा वेतन प्राप्त होता है जिससे उसे और उसके परिवार को आर्थिक रूप से सहायता मिलती है।

प्रारंभ में मरियम अपनी नई भूमिका को लेकर उत्साहित थी, लेकिन उसका उत्साह जल्द ही समाप्त हो गया, जब उसे कई सहकर्मियों द्वारा किए जाने वाले यौन उत्पीड़न का सामना करना पड़ा। उत्पीड़न में उसके रूप-रंग के बारे में अनुचित टिप्पणियों से लेकर अवांछित प्रस्ताव और अश्लील संदेश शामिल थे। मरियम ने कई बार इन घटनाओं के बारे में अपने प्रत्यक्ष पर्यवेक्षक को भी सूचित किया, लेकिन पर्यवेक्षक ने उसकी चिंताओं को यह सुझाव देते हुए खारिज कर दिया, कि वह इन टिप्पणियों को हानिरहित मजाक और कार्यस्थल संस्कृति का हिस्सा समझे।

जैसे-जैसे उत्पीड़न निरंतर तीव्र हुआ, मरियम का कार्य-निष्पादन प्रभावित होने लगा। साथ ही, इससे उसके तनाव में भी निरंतर वृद्धि होती गई, वह लगातार तनाव में रहने लगी वह अपने काम पर ध्यान केंद्रित करने में असमर्थ हो गई तथा टीम मीटिंग और सहयोगियों वाले प्रोजेक्ट्स में असहज महसूस करने लगी। असुरक्षित कार्य परिवेश उसके मानसिक स्वास्थ्य और करियर की संभावनाओं पर भारी पड़ता जा रहा था।

करण उसका एक सहकर्मी है, जिसने मरियम के साथ ही XYZ Corp में जॉइन किया था। उसने मरियम के व्यवहार में परिवर्तन और अपने सहकर्मियों के अनुचित व्यवहार को नोटिस किया। वह और मरियम मित्र बन गए थे, वे अक्सर कार्य से संबंधित मुद्दों पर चर्चा करते थे और अपने प्रोजेक्ट में एक-दूसरे की सहायता करते थे। करण इस स्थिति के बारे में अत्यधिक चिंतित था लेकिन उसे समझ नहीं आ रहा था कि मरियम के लिए स्थिति को बदतर किए बिना कैसे हस्तक्षेप किया जाए।

एक दिन, मरियम को टीम के एक वरिष्ठ सदस्य से एक बेहद अपमानजनक संदेश प्राप्त हुआ, जिससे वह कई घंटों तक रोती रही। मरियम अत्यधिक व्याकुल अवस्था में ब्रेक रूम में बैठी थी, करण ने वहां जाकर उसे सांत्वना दी। उसके साथ हुए उत्पीड़न की पूरी कहानी सुनने के बाद, करण ने उसे POSH (यौन उत्पीड़न की रोकथाम) अधिनियम के तहत शिकायत दर्ज करने का सुझाव दिया। उसने बताया कि यह अधिनियम उसके जैसे कर्मचारियों की सुरक्षा के लिए बनाया गया है और कंपनी कानूनी रूप से ऐसी शिकायतों से निपटने के लिए बाध्य है।

हालांकि, प्रतिशोध और अपनी नौकरी जाने के भय से मरियम ने शिकायत दर्ज कराने से इनकार कर दिया। उसने चिंता व्यक्त की कि उसे एक अशांति उत्पन्न करने वाले (Troublemaker) कर्मचारी के रूप में लेबल किया जा सकता है और इससे इंडस्ट्री में उसके भावी करियर पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ सकता है। मरियम ने यह भी उल्लेख किया कि उसका परिवार उसकी आय पर निर्भर है और वह अपनी नौकरी खोने का जोखिम नहीं उठा सकती।

करण को ज्ञात है कि POSH अधिनियम पीड़ित महिला की ओर से किसी अन्य व्यक्ति को भी शिकायत दर्ज करने की अनुमति देता है। वह स्वयं इस घटना की रिपोर्ट करने पर विचार कर रहा है। उसका मानना है कि मरियम और अन्य महिला कर्मचारियों की सुरक्षा के लिए असुरक्षित कार्य परिवेश को सही करने की आवश्यकता है। हालांकि, वह मरियम पर इसके पड़ने वाले प्रभाव के बारे में चिंतित है, खासकर उसके आगे आने की अनिच्छा को देखते हुए।

यह स्थिति तब और जटिल हो गई, जब करण ने हाल ही में एक बातचीत सुनी जिसमें सुझाव दिया गया था कि XYZ Corp एक बड़े विस्तार की योजना बना रहा है, जिससे कर्मचारियों को पदोन्नति और नए अवसर प्राप्त हो सकते हैं। उसे चिंता है कि शिकायत दर्ज करने से न केवल मरियम की वर्तमान स्थिति बल्कि कंपनी के भीतर उसकी भविष्य की संभावनाएं भी खतरे में पड़ सकती हैं।

- मरियम की इच्छा के विरुद्ध घटना की रिपोर्ट करने का निर्णय लेने में करण द्वारा सामना की जाने वाली नैतिक दुविधा पर चर्चा कीजिए।
- करण के समक्ष उपलब्ध विकल्पों का मूल्यांकन कीजिए। इनमें से उसे कौन-सा विकल्प चुनना चाहिए और क्यों?
- यौन उत्पीड़न को रोकने और उसका समाधान करने तथा समावेशी कार्यस्थल परिवेश का निर्माण करने में XYZ Corp जैसे संगठनों की क्या जिम्मेदारियां हैं? (250 शब्दों में उत्तर दीजिए)

Mariyam, a talented and driven engineer, was recently hired at XYZ Corp, a well-known manufacturing company with a predominantly male workforce. This job was a significant achievement for Mariyam, as it offered a good salary that supports her and her family financially.

Initially excited about her new role, Mariyam's enthusiasm quickly faded as she began experiencing sexual harassment from several colleagues. The harassment ranged from inappropriate comments about her appearance to unwanted advances and suggestive messages. Mariyam occasionally confided to her direct supervisor about these incidents, but he dismissed her concerns, suggesting she view these comments as harmless jokes and part of the workplace culture.

As the harassment continued and intensified, Mariyam's job performance began to suffer. She found herself constantly stressed, unable to concentrate on her work, and increasingly uncomfortable in team meetings and collaborative projects. The toxic work environment was taking a toll on her mental health and career prospects.

Karan, a colleague who joined XYZ Corp around the same time as Mariyam, noticed the change in her demeanor and the inappropriate behavior of their coworkers. He and Mariyam had become friends, often discussing work-related matters and supporting each other in their projects. Karan was deeply concerned about the situation but felt unsure about how to intervene without making things worse for Mariyam.

One day, Mariyam received an exceptionally offensive message from a senior team member, leaving her in tears for several hours. Karan found her in the break room, visibly distraught, and spent time consoling her. After hearing the full extent of the harassment she had been enduring, Karan suggested she file a complaint under the POSH (Prevention of Sexual Harassment) Act. He explained that the Act was designed to protect employees like her and that the company was legally obligated to address such complaints.

However, Mariyam, fearing retaliation and the potential loss of her job, refused to lodge the complaint. She expressed concerns about being labeled a troublemaker and worried that it might affect her future career prospects in the industry. Mariyam also mentioned that her family was dependent on her income, and she could not risk losing her job.

Karan is aware that the POSH Act permits lodging a complaint on behalf of the aggrieved woman. He is considering reporting the incident himself, believing that the toxic work environment needs to be addressed for the sake of Mariyam and other female employees. However, he is wary about the impact this may have on Mariyam, especially given her reluctance to come forward.

Adding to the complexity of the situation, Karan recently overheard a conversation suggesting that XYZ Corp is planning a major expansion, which could lead to promotions and new opportunities for employees. He worries that filing a complaint might jeopardize not only Mariyam's current position but also her future prospects within the company.

- Discuss the ethical dilemma Karan faces in deciding whether to report the incident against Mariyam's wishes.
- Evaluate the options available to Karan. Which of these options should he choose and why?
- What responsibilities do organizations like XYZ Corp have in preventing and addressing sexual harassment and creating inclusive workplace environments? (Answer in 250 words)20

Prevention of Sexual Harassment Act, 2017 was brought to safeguard the dignity of women at workplace - under Article 21. However, its implementation remains fraught with challenges.

(a) ethical dilemmas faced by Karan

- ① Agree with the wishes of Maryam and refrain from reporting vs listen to conscience and go ahead.
- ② Treatment improvement of female employees of company vs image of company as it plans for expansion.
- ③ Personal ego of helping Maryam guided by sympathy vs empathy for her situation - dependent family.
- ④ Short term view of company's expansion vs long term focus on gender equality in company.

⑤ Deontology of doing the right thing by reporting vs the Utilitarian impact on Maryam and the company

⑥ Maryam's right to decide for herself as to reporting vs Karan's moral compass to do it in her behalf.

(b) Options available to Karan.

① go ahead with reporting of the incident
Pros Justice for Maryam and other female employees

Prevent harassment in future

Cons Against right to self-determination

Repercussions for company and future employees

Maryam's job may be in jeopardy.

② let the matter to rest and continue as usual.

In line with Maryam's wish

Pros Prevent company harm in expansion.

Cons Moral apathy on part of Karan
Might lead to culture of impunity
against females in office.

③ Encourage Maryam to take the step herself

Pros Right to decide with Maryam-
courage to other female employees

Cons Retaliation against Maryam
May lead to loss of job for Maryam

Karan should choose third option as
it aligns with not using any person as
means besides, it represents a 'Machhiyan
Marg' salvaging his rights and duties.
It will lead to lasting courage for Maryam
and end this culture of misogyny.

(c) Responsibilities of NZ Corp. in such incidents

- ① Employee redressal mechanisms at workplace to hear female employees
- ② establish Internal Committee for hearing BSH complaints.
- ③ gender sensitisation trainings for all employees
- ④ Action against wrong team members
(Eg) salary cuts → warnings → attrition
- ⑤ empower female workforce with organisational strength.
- ⑥ Open office structure to effectively communicate grievances

This will help in preventing and addressing the menace of sexual harassment by enforcing a positive work culture for all.

जय एक सिविल सेवक है जिसे एक वर्ष पूर्व राज्य के शिक्षा विभाग में आयुक्त के रूप में नियुक्त किया गया था। अपने शुरुआती महीनों में, उसने कई ऐसी नीतियों और कार्यक्रमों को लागू किया, जिससे शिक्षा मंत्रालय के कामकाज में सकारात्मक बदलाव आ रहे थे तथा प्रतिष्ठा में वृद्धि हो रही थी, जो आगामी चुनावों में संबंधित मंत्री के लिए लाभकारी हो सकती थी।

हालांकि, जय को अब एक महत्वपूर्ण चुनौती का सामना करना पड़ रहा है। अपनी जिम्मेदारियों के भाग के रूप में, उसे सरकारी स्कूलों के लिए नए शिक्षकों की भर्ती को मंजूरी देनी होगी। उसे रिक्त पदों के लिए अनुशंसित 120 उम्मीदवारों की सूची प्राप्त हुई है, लेकिन उसे यह संदेह है कि भर्ती प्रक्रिया अनुचित थी। जय को कई शिकायतें भी प्राप्त हुई थीं, जिनमें दावा किया गया था कि यह भर्ती प्रक्रिया योग्यता आधारित नहीं थी।

समीक्षा करने पर, जय को ऐसे साक्ष्य प्राप्त हुए जो यह स्पष्ट करते हैं कि सूची में कई नाम राजनीतिक संरक्षण का परिणाम हैं। राजनीतिक संरक्षण राज्य में एक प्रचलित मुद्दा है, जहां राजनेता राजनीतिक समर्थन प्राप्त करने के लिए भर्ती का उपयोग करते हैं। जय का मानना है कि चुनाव नजदीक होने के कारण शिक्षा मंत्री भी इस कार्य में संलग्न हैं।

यह स्थिति जय को एक पुरानी घटना की याद दिलाती है जब एक जूनियर अधिकारी के रूप में, उसने एक अनावश्यक खरीद अनुरोध को स्वीकार करने से इनकार कर दिया था। परिणामस्वरूप, उसे एक सप्ताह के भीतर ही स्थानांतरित कर दिया गया तथा उसे और उसके परिवार को बदले की कार्रवाई के रूप में तुच्छ भ्रष्टाचार के आरोपों का सामना करना पड़ा। उसके स्थान पर नियुक्त अधिकारी ने और भी उच्च दरों पर खरीद को मंजूरी दे दी।

जय अब इस बात को लेकर चिंतित है कि मौजूदा भर्ती को रोकने से ऐसे ही परिणाम सामने आ सकते हैं। इसके अलावा, उसे भय है कि यदि वह इस अनुचित भर्ती प्रक्रिया के खिलाफ खड़ा होता है तो शिक्षा मंत्रालय में उसके द्वारा व्यक्तिगत रूप से शुरू की गई परियोजनाओं को समाप्त किया जा सकता है।

- शिक्षा विभाग के आयुक्त के रूप में जय के पास क्या विकल्प उपलब्ध हैं? इनमें से प्रत्येक विकल्प का मूल्यांकन कीजिए।
- जय को कौन-सा विकल्प अपनाना चाहिए और क्यों?
- जय जैसे सिविल सेवकों को अपने दायित्वों के निर्वहन में नैतिक मानकों को बनाए रखने के प्रयास के दौरान बेहतर सुरक्षा कैसे प्रदान की जा सकती है? (250 शब्दों में उत्तर दीजिए)

Jay, a civil servant, was appointed as the Commissioner in the state's Education Department a year ago. In his initial months, he implemented several policies and programmes that were transforming the Education Ministry's operations, gaining a good reputation that could potentially benefit the concerned minister in the upcoming elections.

However, Jay now faces a significant challenge. As part of his responsibilities, he must approve the recruitment of new teachers for government schools. He has received a list of 120 candidates recommended for vacant posts, but suspects the recruitment process was unfair. Jay had also received several complaints claiming that the process had not been meritocratic.

Upon review, Jay discovers evidence suggesting that many names on the list are the result of political patronage - a prevalent issue in the state where politicians use recruitment to gain political support. Jay believes the Education Minister is engaging in this practice as the election season approaches.

This situation reminds Jay of a past incident when, as a junior officer, he refused to entertain an unnecessary procurement request. Consequently, he was transferred within a week, and he and his family faced frivolous anti-corruption complaints as retaliation. His successor approved the procurement at even higher rates.

Jay is now concerned that blocking the current recruitment could lead to similar consequences. Moreover, he fears that the projects he personally initiated in the Education Ministry might be abandoned if he takes a stand against this unfair recruitment process.

- (a) What are the options available to Jay as the Commissioner of the Education Department? Evaluate each of these options.
- (b) What option should Jay adopt and why?
- (c) How can civil servants like Jay be better protected when they attempt to uphold ethical standards in their work? (Answer in 250 words)

20

उम्मीदवारों को इस हाथिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

"To know what is right and yet not do it is a sign of cowardice." As Jay faces the dilemma of approving the list by preferential treatment of political aspirants, his courage is checked.

Besides his past experience may determine his attitude towards present situation.

(a) Options available to Jay.

① Approve the list of recommended candidates as received -

Pros	Cons
→ His position in department will be secure.	→ Slippery slope towards moral corruption
→ His project will continue	→ Promote political interference.

② Deny the list of candidates and launch enquiry

Pros	Cons
→ Ethical grandstanding through courage	→ Retaliation from political class

Might be serious candidates
in but as well-future affected

उम्मीदवारों को
इस हार्शिए में
नहीं लिखना
चाहिए
Candidates
must not
write on
this margin

③ Whistleblow the situation ~~not~~ to overcome
political reaction

Pros

- Career will not be
impacted
- leap scam in
recruitment

Cons

- Against principle of
secrecy
- Can not become a
Kantian - Kantian
universal law.

(b) Option to choose - by Jay

Jay should try and find the real
aspirants who succeeded. But since the process
itself was not meritocratic, a new exam can
be conducted.

Meanwhile, to book people involved in
the case, Jay should reason with the
education Minister about its harmful impact

on future education prospects.

If the Minister agrees to cooperate, conduct inquiry to enforce trust building in the organisation.

If he disagrees, go for whistleblowing by involving media to expose corruption. This will ensure proportionality in methods and the golden mean. Jay should also prepare for retaliation from government - responsibility for own actions.

(c) Protection of civil servants like Jay

- ① enforce ethical decision-making by rewarding integrity (eg) express Awards
- ② Fear in those who engage in corruption - deterrent effect -
- ③ Documentation of processes to avoid allegations later.

- ④ Collective decision making to avoid blame game. in later stages
- ⑤ involve civil society through technical audit of means to ensure procedural compliance
- ⑥ Reduce political corruption through independence - (Eg) Civil Service Board -
Balush Singh -

This will help in creating a generation
of ethical workforce committed to
'Yogakshema Bahameyam'

9. X शहर के जिला मजिस्ट्रेट के रूप में, आपको शहरी वन क्षेत्र में एक नए मेट्रो डिपो के निर्माण की देखरेख का दायित्व सौंपा गया है, जो सार्वजनिक परिवहन में सुधार करने और यातायात की भीड़ एवं वायु प्रदूषण को कम करने के उद्देश्य से एक महत्वपूर्ण अवसंरचनात्मक परियोजना है। हालांकि, इस परियोजना के लिए वन के एक बड़े हिस्से को साफ करने की आवश्यकता है, जिसका पर्यावरण कार्यकर्ताओं, स्थानीय निवासियों और गैर-सरकारी संगठनों ने कड़ा विरोध शुरू कर दिया है। इस वन को प्रायः शहर के "फेफड़े" के रूप में संदर्भित किया जाता है और शहर के पारिस्थितिक संतुलन के लिए व्यापक रूप से आवश्यक माना जाता है।

पर्यावरण संबंधी चिंताओं के अलावा, दो वर्ष में होने वाले आगामी चुनावों को देखते हुए, परियोजना को शीघ्र पूरा करने के लिए राज्य स्तर पर राजनेताओं की ओर से भी आप पर काफी दबाव है। राजनीतिक नेतृत्व शहर के विकास हेतु मेट्रो परियोजना के लाभों और चुनावी समर्थन प्राप्त करने की इसकी क्षमता पर बल दे रहा है।

इस परियोजना से हजारों यात्रियों के लिए यात्रा का समय उल्लेखनीय रूप से कम होने और शहर में वाहनों से होने वाले उत्सर्जन में संभावित कमी आने की उम्मीद है। हालांकि, इससे हजारों वृक्षों की क्षति भी होगी और स्थानीय पारिस्थितिकी तंत्र बाधित होगा।

जब आप कोई निर्णय लेने की तैयारी करते हैं, तो आप जानते हैं कि आपके निर्णय के शहर के विकास और उसके पर्यावरण, दोनों पर दूरगामी परिणाम होंगे।

- उपर्युक्त प्रकरण में शामिल नैतिक दुविधाओं की पहचान कीजिए।
- उपर्युक्त स्थिति में आपके समक्ष उपलब्ध विकल्पों का मूल्यांकन कीजिए। आप इनमें से किस विकल्प को चुनेंगे और क्यों?
- भविष्य की परियोजनाओं में शहरी विकास संबंधी आवश्यकताओं और पर्यावरण संरक्षण के बीच संतुलन स्थापित करने के लिए कुछ उपाय सुझाइए। (250 शब्दों में उत्तर दीजिए)

As the District Magistrate of X city, you are responsible for overseeing the construction of a new metro depot in an urban forest area, which is a critical infrastructure project aimed at improving public transportation and reducing traffic congestion and air pollution. The project, however, requires the clearance of a substantial portion of the forest, which has triggered strong opposition from environmental activists, local residents, and NGOs. This forest is widely regarded as essential for the city's ecological balance, often referred to as the city's "lungs."

In addition to the environmental concerns, you are under considerable pressure from politicians at the state-level to expedite the project, given the upcoming elections in two years. The political leadership emphasizes the benefits of the metro project for the city's development and its potential to garner electoral support.

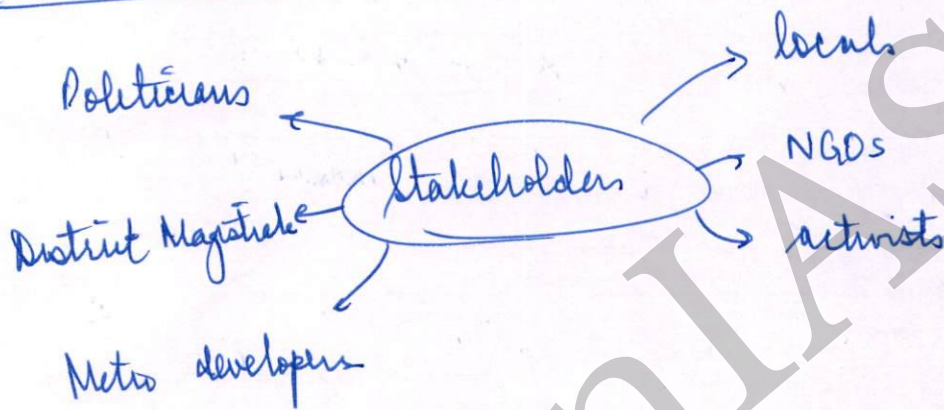
The project is expected to significantly reduce travel time for thousands of commuters and potentially decrease overall vehicle emissions in the city. However, it would also lead to the loss of thousands of trees and disrupt local ecosystems.

As you prepare to make a decision, you are aware that your choice will have far-reaching consequences for both the city's development and its environment.

- Identify the ethical dilemmas involved in the above case.
- Evaluate the options available to you in the above situation. Which of these would you choose and why?
- Suggest some measures that could be implemented to balance urban development needs with environmental conservation in future projects. (Answer in 250 words)

20

Mangai Mathai had argued "for a development that does not destroy our environment." As the city X is faced with this dilemma, it is important to balance both.



(a) ethical dilemmas involved

- ① Profit motive of business of city X (vs) sustainability challenge of clearing forests.
- ② Development of city X with a modern metro (vs) denial of right to a healthy environment under Article 21

- ③ environmental rights of local residents
vs development imperative of government
- ④ politicians' motive of metro project based
on electoral greed vs activists' guided
by environmental ethics
- ⑤ Need to follow order - hierarchy vs
accommodate interests of locals for health
- ⑥ Objectivity in decision making based on
facts of project vs empathy for locals

(b) Options available to me.

- ① Expedite the metro project as directed
development of city
Pros - reduce traffic woes of X.

Cons - Against local participation, consensus
Deforestation will lead to air quality decline

- ② Stop the project and agree with locals
environmental ethics followed.
Pros - Prevent destruction of forests

Cons - Stagnation of city's development

- Pollution from private vehicles and other transport continues

③ Mitigate the impact of project and then go ahead with it.

Pros - Golden Mean of balancing conflicts

Everyone has say in project

Cons - Time taking to implement - might anger politicians

I will choose the third option as it maintains balance between environment and development. Besides, it stays true to good intentions and good act. It also paves way for inclusive growth and green growth in city.

(C) Measures to balance urban development needs with environmental conservation

- ① Compensatory afforestation through CAMPA.
 - ② Urban forestry to mitigate impact of such projects (E) Waiver Model.
 - ③ Active participation to accommodate their needs.
 - ④ Mitigation of ill effects of projects (E) vertical gardening at metro
 - ⑤ Adaptation to ill effects with use in public transport.
- NITI Aayog has called for eco-sensitive cities which are liveable, sustainable and productive. This can aid sustainable cities and communities of SDG#11

10.

डॉ. मेहरा भारत की एक अग्रणी फार्मास्युटिकल कंपनी में वरिष्ठ ड्रग डेवलपर हैं, जो चिरकालिक और दुर्लभ रोगों के उपचार हेतु महत्वपूर्ण जीवन रक्षक दवाओं सहित विभिन्न दवाओं का उत्पादन करने के लिए प्रसिद्ध हैं। अपनी स्थापना के बाद से ही, कंपनी ने अपनी दवाओं की गुणवत्ता और वहीनीयता पर बल दिया है।

हाल ही में, संशोधित सरकारी दिशा-निर्देशों के तहत, फार्मास्युटिकल कंपनियों के लिए सामग्रियों (Ingredients) पर परीक्षण से "संतोषजनक परिणाम" प्राप्त करने के बाद ही तैयार उत्पाद का विपणन करने का प्रावधान किया गया है। इसके अतिरिक्त, उन्हें दवाओं के किसी बैच के बार-बार परीक्षण या सत्यापन के लिए मध्यवर्ती और अंतिम उत्पादों, दोनों के पर्याप्त मात्रा में नमूने रखने होंगे।

डॉ. मेहरा की टीम एक दुर्लभ लेकिन जानलेवा रोग के लिए एक नई दवा विकसित करने के अंतिम चरण में है। नैदानिक परीक्षणों में इस दवा के आशाजनक परिणाम प्राप्त हुए हैं। हालांकि, दवा के दीर्घकालिक दुष्प्रभावों के बारे में अनसुलझी चिंताएं विद्यमान हैं, जो परीक्षण में शामिल विषयों में अत्यधिक कम प्रतिशत के रूप में देखी गई हैं। इसके बावजूद, कंपनी ने पिछले एक दशक में कोई भी महत्वपूर्ण दवा जारी नहीं की है, जिससे बोर्ड के सदस्यों की ओर से दवा की रिलीज़ में तेज़ी लाने के लिए काफी दबाव है।

- उपर्युक्त प्रकरण में शामिल हितधारकों की पहचान कीजिए।
- डॉ. मेहरा द्वारा सामना किए जाने वाले नैतिक मुद्दों पर चर्चा कीजिए।
- उपर्युक्त प्रकरण में डॉ. मेहरा के पास उपलब्ध विकल्पों का विश्लेषण कीजिए। आप इनमें से किसे चुनेंगे और क्यों? (250 शब्दों में उत्तर दीजिए)

Dr. Mehra is a senior drug developer at a leading pharmaceutical company in India, renowned for producing various medications, including lifesaving drugs critical for treating chronic and rare diseases. Since its inception, the company has emphasized the quality and affordability of its drugs.

Recently, under revised government guidelines, pharmaceutical companies are required to market a finished product only after obtaining "satisfactory results" from tests on the ingredients. Additionally, they must retain a sufficient quantity of samples of both intermediate and final products to allow repeated testing or verification of a batch.

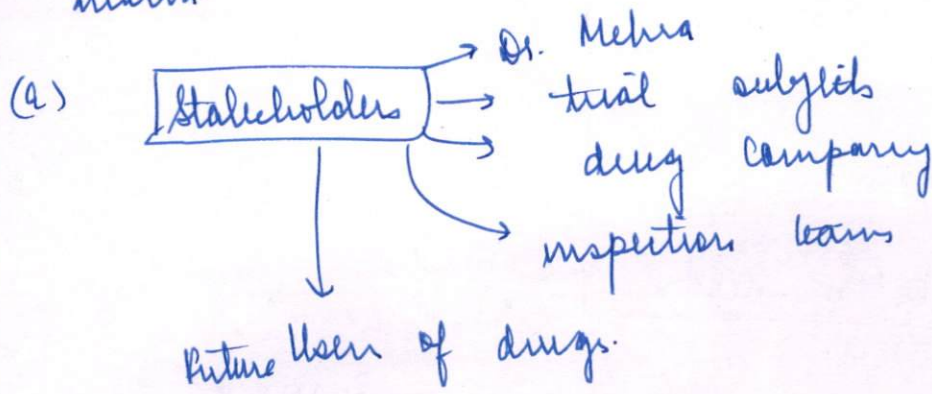
Dr. Mehra's team is in the final stages of developing a new medication for a rare but life-threatening disease. This drug has shown promising results in clinical trials. However, there have been unresolved concerns about the long-term side effects of the drug, observed in a small percentage of trial subjects. Despite this, the company has not released any major drug in the past decade, leading to significant pressure from the board members to expedite the drug's release.

- Identify the stakeholders in the above case study.
- Discuss the ethical issues faced by Dr. Mehra.
- Analyse the options available to Dr. Mehra in the above case. Which of these would you choose and why? (Answer in 250 words)

20

the need for corporate profit can lead to
unwanted consequences for public health
in case of pharmaceutical companies.
Art 47 - imposes on state to protect public.

health.



(b) Ethical issues faced by Dr. Mehra

- ① Pressure to act against conscience by board members.
- ② Violation of law if drug released in present form
- ③ Against the principle of due diligence
- ④ Against the principle of 'Vaidya Naagana' and Hippocratic Oath of non-maleficence -
- ⑤ The autonomy of Dr. Mehra - is under threat with the drug.

⑥ Do No Harm principle violated

⑦ Against Kantian ethics as it uses
people as means for profit.

⑧ John Rawls' veil of ignorance - also
opposes against this release - if used
by Dr. Mehra or his family members

C) Options available to Dr. Mehra

① go ahead with board members' pressure
and expedite drug release.

Pros → Profit for company in short run.

Con → Impair long-term goodwill enjoyed
by the company

② go for a thorough research on possible
side-effects

Pros - Due diligence principle for research -

- Precautionary Principle in biotechnology

(Cons) might face retaliation by the board.

Dr. Mehra should go for the second
option by showing the board members
the long-term vision. He should persuade
them to give him time to effectively
research the drug in line with WHO's
guidelines. Ensure them of a steady
product & development based on beneficence
this will ensure business with ethics and
'science' with morality.

VisionIAS

आपको राज्य शहरी विकास विभाग में अंडर सेक्रेटरी के पद पर नियुक्त किया गया है। विभाग को एक प्रतिष्ठित परियोजना का कार्य सौंपा गया है जिसका उद्देश्य शहरों की अत्यधिक ऐतिहासिक महत्व वाली अवसंरचना को पुनर्जीवित करना है। इस परियोजना के बारे में आप बेहद उत्साहित हैं, जिसमें सार्वजनिक परिवहन का आधुनिकीकरण करना, विरासत भवनों का जीर्णोद्धार करना और शहर के सांस्कृतिक पहलू को संरक्षित करते हुए हरित स्थान का सृजन करना शामिल है।

इस अवसर से उत्साहित होकर, आपने कई सप्ताह तक शोध करके एक व्यापक प्रस्ताव तैयार किया। आपकी योजना में संधारणीय विकास, सामुदायिक जुड़ाव और शहरी नियोजन के लिए प्रौद्योगिकी का लाभ उठाने के लिए अभिनव विचार शामिल थे। आपने अपने सहयोगियों को प्रेरित करने और परियोजना को गति देने की आशा से विभागीय बैठक में ये प्रारंभिक योजनाएं प्रस्तुत कीं।

हालांकि, आपके उत्साह को उदासीनता का सामना करना पड़ा। आपके सहयोगियों ने बहुत कम रुचि दिखाई तथा वे परियोजना के लिए विचारों या प्रयासों का योगदान करने में विफल रहे। चिंतित होकर, आपने अपने वरिष्ठ को उत्साह की कमी की सूचना दी, जो इस परियोजना के प्राधिकारी भी हैं। आपकी निराशा के लिए, वे भी उतना ही उदासीन लग रहे थे, उन्होंने सहजता से उल्लेख किया कि वे छह महीने में सेवानिवृत्त होने वाले हैं और इस परियोजना की अवधि अधिक लंबी है।

परियोजना को सफल होते देखने के लिए दृढ़ संकल्पित होकर, आपने इसे आगे बढ़ाने की जिम्मेदारी अपने ऊपर ले ली। पिछले दो महीनों से, आप अपने परिवार के साथ समय व्यतीत करने के अवसरों का त्याग करते हुए, दिन में 12 घंटे से अधिक, अक्सर देर रात तक काम कर रहे हैं। आपका समर्पण इस परियोजना की शहर के निवासियों के जीवन को बदलने और भावी पीढ़ियों के लिए शहर की समृद्ध विरासत को संरक्षित करने की क्षमता में आपके विश्वास से प्रेरित है।

परियोजना के दो महीने बाद मुख्य सचिव द्वारा समीक्षा बैठक बुलाई जाती है। बैठक के दौरान, विभिन्न क्षेत्रों के विभाग प्रमुख वर्तमान में जारी और आगामी परियोजनाओं पर चर्चा करने के लिए उपस्थित होते हैं। जब शहरी पुनरुद्धार परियोजना प्रस्तुत करने का समय आता है, तो आपका बॉस अथवा वरिष्ठ खड़ा हो जाता है। आपको आश्चर्य होता है कि वह आपके ड्राफ्ट प्रस्ताव को अपने काम के रूप में प्रस्तुत करता है और नवीन विचारों एवं व्यापक योजना का सारा श्रेय ले लेता है।

जब आप वहां बैठे हुए अपने वरिष्ठ को आपकी कड़ी मेहनत को अपना बताते हुए सुनते हैं, तो आप क्रोध, निराशा और मनोबल की कमी को संयुक्त रूप से महसूस करते हैं। यह घटना न केवल आपके प्रयासों को कमजोर करती है बल्कि आपको ऐसी कार्य संस्कृति में अपने समर्पण के मूल्य पर भी प्रश्न उठाने के लिए विवश करती है जो सहयोग का समर्थन नहीं करती है या व्यक्तिगत योगदान को मान्यता नहीं देती है।

(a) इस प्रकरण में शामिल नैतिक मुद्दों पर चर्चा कीजिए।

(b) उपर्युक्त कार्य संस्कृति कार्यस्थल पर मनोबल और उत्पादकता को किस प्रकार प्रभावित करती है?

(c) आपके पास क्या विकल्प उपलब्ध हैं और आप इस स्थिति का समाधान किस प्रकार करेंगे? (250 शब्दों में उत्तर दीजिए)

You have been appointed as the Under Secretary in the State Urban Development Department. The Department has been tasked with a prestigious project aimed at revitalizing the infrastructure of a city with deep historical significance. This project, which you are extremely passionate about, involves modernizing public transportation, restoring heritage buildings, and creating green spaces while preserving the city's cultural essence.

Excited by the opportunity, you spent weeks researching and drafting a comprehensive proposal. Your plan included innovative ideas for sustainable development, community engagement, and leveraging technology for urban planning. You presented these initial plans in a departmental meeting, hoping to inspire your colleagues and kickstart the project.

However, your enthusiasm was met with indifference. Your colleagues showed little interest, failing to contribute ideas or efforts towards the project. Concerned, you reported this lack of enthusiasm to your immediate superior, who is also the authority for this project. To your dismay,

he seemed equally indifferent, casually mentioning that he is set to retire in six months and that the project has a long gestation period.

Determined to see the project succeed, you took it upon yourself to drive it forward. For the past two months, you have been working more than 12 hours a day, often late into the night, sacrificing time with your family. Your dedication is driven by your belief in the project's potential to transform the lives of the city's residents and preserve its rich heritage for future generations.

Two months into the project, a review meeting is called by the Chief Secretary. During the meeting, Department heads from various sectors are present to discuss ongoing and upcoming projects. When it is time to present the urban revitalization project, your boss stands up. To your shock, he presents your draft proposal as his own work, taking all the credit for the innovative ideas and comprehensive planning.

As you sit there, listening to your superior claim your hard work as his own, you feel a mix of anger, disappointment, and demoralization. This incident not only undermines your efforts but also leaves you questioning the value of your dedication in a work culture that does not seem to support collaboration or recognize individual contributions.

- (a) Discuss the ethical issues involved in this case.
(b) How does the above-mentioned work culture affect workplace morale and productivity?
(c) What are the options available to you and how would you address the situation? (Answer in 250 words)

20

work culture determines not only the performance of employees but the success of the company.

(a) Ethical issues involved in the case.

① Project for modernisation met with indifference in the organisation.

② Lack of team work as one person shoulders all responsibility.

③ Leadership crisis as immediate senior is also indifferent.

④ Lack of recognition of efforts - as
free-riding by the senior

⑤ Hierarchy prevents person from speaking
against injustice.

⑥ Bureaucratic-lethargy towards development.

⑦ Demoralization of workforce in case of
lack of encouragement.

⑧ Impact on dedication to work - as there is
mismatch between rewards and hard work

(b) Affect workplace morale and productivity

① lowers the morale of workers who were
earlier driven and motivated.

② Decreases work productivity with quiet
quitting by employees

③ leads to indifference among workers.

④ Frustration in employees at not getting compensated or praised leads to a demoralized workforce.

⑤ Future risk of lethargy and apathy on part of workforce.

(c) Options available to me.

① Raise voice against the appropriation of work by senior at the meeting-

② Let go of the situation as a one time thing as the senior will soon retire

③ Talk to the senior in private and apprise him of the adverse impact of his behaviour on morale of workforce.

I will go with third option as it would not violate professional hierarchy of workplace. Besides, I will be

able to unburden my conscience by
speaking truth to power. It is important to
recognise contributions of individuals at
workplace for motivating them. I would
ask the seniors to give credit to to me as well
for the draft proposal in line with
professional integrity and probity.

This will help raise morale of my
other colleagues who were earlier indifferent
and raise a collaborative work culture.

अरुण अपनी सत्यनिष्ठा और समर्पण के लिए प्रसिद्ध है। हाल ही में, उसने राज्य प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड में अधीक्षक की भूमिका संभाली है। यह पोस्टिंग, केवल एक वर्ष में उसकी चौथी पोस्टिंग है, जिसमें पर्यावरणीय प्रभाव आकलन (EIA) की देखरेख की जिम्मेदारी शामिल है। अपने नए पद पर अरुण को एक महत्वपूर्ण आर्द्रभूमि, जो इस क्षेत्र के लिए प्राथमिक जल स्रोत के रूप में कार्य करती है, के निकट स्थित एक तांबा प्रगलन संयंत्र के बारे में पता चलता है।

उस संयंत्र के भारी प्रदूषण कर्ता के रूप में कुख्यात होने के बावजूद, अध्यक्ष द्वारा अरुण को प्रस्तुत किया गया वर्तमान EIA, आर्द्रभूमि पर इससे किसी गंभीर प्रभाव को नहीं दर्शाता है। अगले दो वर्षों के लिए कोई अन्य आकलन निर्धारित नहीं किया गया है।

एक दिन, अरुण को विपक्षी दल से जुड़े एक राजनेता से एक पत्र प्राप्त होता है। इस पत्र में ऐसे साक्ष्य हैं जो बताते हैं कि वर्तमान EIA परिणाम फ़र्जी प्रयोगशाला रिपोर्टों पर आधारित हैं, जिन्हें कथित तौर पर अध्यक्ष द्वारा अनुमोदित किया गया है। अध्यक्ष के सत्तारूढ़ दल के साथ घनिष्ठ संबंध हैं, जिसे संयंत्र के संचालकों से पर्याप्त दान प्राप्त होता रहा है।

विपक्षी राजनेता ने अरुण से विभाग के अंदर से ही अध्यक्ष को बेनकाब करने का आग्रह किया और यह तर्क दिया कि यह दृष्टिकोण प्रभावी रूप से सरकार पर एक नया EIA आयोजित करने के लिए दबाव डाल सकता है। वह अरुण से वादा करता है कि उनके दल के सत्ता में आने, जिसकी हालिया जनमत सर्वेक्षणों में संभावना व्यक्त की गई है, पर उसे महत्वपूर्ण पुरस्कार और समर्थन मिलेगा।

यद्यपि प्रस्तुत किए गए साक्ष्य प्रभावशाली हैं, लेकिन अरुण राजनीतिक मोहरे के रूप में शोषण किए जाने की संभावना के बारे में भी सतर्क है। वह अपने कार्यों के संभावित परिणामों, उसके करियर और पर्यावरण दोनों के लिए, के बारे में पूरी तरह से अवगत है।

- (a) उपर्युक्त प्रकरण के आलोक में, कॉर्पोरेट, राजनीतिक और नौकरशाही के हितों के बीच गठजोड़ से उत्पन्न होने वाले नैतिक मुद्दों पर चर्चा कीजिए।
- (b) एक कर्तव्यनिष्ठ सिविल सेवक के रूप में, अरुण के पास उपलब्ध विकल्पों का मूल्यांकन कीजिए। उसे कौन-सा विकल्प चुनना चाहिए और क्यों? (250 शब्दों में उत्तर दीजिए)

Arun, renowned for his integrity and dedication, has recently assumed the role of Superintendent at a state Pollution Control Board. This posting, his fourth in just one year, includes the responsibility of overseeing Environmental Impact Assessments (EIAs). In his new position, Arun becomes aware of a copper smelting plant situated near a crucial wetland that serves as the primary water source for the region.

Despite the plant's notorious reputation for heavy pollution, the current EIA, presented to Arun by the Chairperson, indicates no significant impact on the wetland. The next assessment is not scheduled for another two years.

One day, Arun receives a letter from a politician affiliated with the opposition party. The letter contains evidence suggesting that the current EIA results are based on falsified lab reports, allegedly approved by the Chairperson. The Chairperson is known to have close ties with the ruling party, which has been receiving substantial donations from the plant's operators.

The opposition politician urges Arun to expose the Chairperson from within the department, arguing that this approach could effectively pressurize the government to conduct a new EIA. He promises Arun significant rewards and support once their party comes to power, an outcome suggested by recent opinion polls.

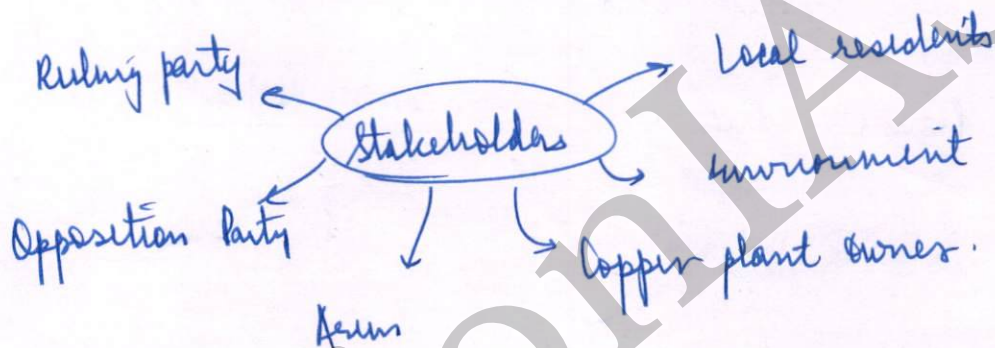
While the evidence presented is compelling, Arun remains cautious about the possibility of being exploited as a political pawn. He is acutely aware of the potential consequences of his actions, both for his career and for the environment.

- (a) In light of the above case, discuss the ethical issues that may arise from the nexus between corporate, political, and bureaucratic interests.
- (b) As a conscientious civil servant, evaluate the options available to Arun. Which option should he choose and why? (Answer in 250 words)

20

उम्मीदवारों को इस हिसाब में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

Non-partisanship at work is ama qua non for civil services. Besides, this case also presents the dilemma of impact on environment and health of locals.



(a) ethical issues in the nexus.

- ① Rise to money capitalism - India stands at 10th position worldwide in this index.
- ② Against the principle of democracy - as the decisions by political class are for own benefits.

- ③ Transfer is a tool of punishment by politicians against ~~the~~ unbending bureaucrats
- ④ The ultimate sufferers are the common citizens - lack of say in governance
- ⑤ Corruption in public life impacts the ethos of society - justice
- ⑥ Prevents the rise of new corporates due to shared interests of existing over-elite capture of high posts
- ⑦ Moral bankruptcy leads to anger and disappointment in public.
- ⑧ Against Constitutional Morality of rule of law
- ⑨ Violation of civil service rule of neutrality in professional life.

(b) Options available to Admin

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

① Let the EIA report as presented to be passed

Pros → No retaliation against him

Maintain chain of command. in administration

Cons → ethical feeling with unmoral decision

Opposition Party ~~that~~ person would be aware of his wrongdoing - future consequences

② listen to the Opposition Party politician
and expose the champion

Pros → Favour with most possible ruling party - career progression

In line with rules of administration

Cons → Against deontology - allows himself to be used as means only

Against autonomy of decision-making

③ Reject the report of EIA in line with rules
and ask it to take corrective measures

Pros - Balance business ethics with environment

Maintain conscience with right decision

Cons - Retaliation from ruling party.

Affect on career - in long run.

He should choose the third option as it ensures that the deed is done without any greed for returning obligation on part of Opposition Party. Besides, the right to privacy of Chamberson is safeguarded. Motivating him to correct the anomalies of CIA can have positive impact for environment - Article 19A.

This maintains the principle of impartiality and professional integrity as the 'shelf life of him is very small.' It also fosters stakeholder capitalism with regard for society and environment.

SPACE FOR ROUGH WORK

VisionIAS

SPACE FOR ROUGH WORK

AL

VisionIAS